विज्ञापन क्षेत्र में रोज़गार के अवसर

डॉ. शीतल कपूर

विज्ञापन व्यापक जन समुदाय को संदेश संप्रेषित करने की कला है. यह प्रोत्साहन का एक गैर-वैयक्तिक साधन है, जिसके जरिए विज्ञापनदाता लक्षित श्रोताओं/दर्शकों को अपनी वस्तुओं, सेवाओं और विचारों के बारे में सूचित/प्रेरित और स्मरण कराने का प्रयास करता है. भारत में विज्ञापन उद्योग 49,000 करोड़ रुपये मूल्य का है, जिसमें डिजिटल मीडिया सर्वाधिक तेजी से आगे बढ़ रहा है.

अंतर्राष्ट्रीय फोकस

विज्ञापन उद्योग के संदर्भ में भारतीय अभिरुचि का वैश्विक प्रभाव न केवल विश्वभर में दृष्टिगत हुआ है, बल्कि उसे भलीभांति समझा भी गया है. भारतीय एजेंसियां आज राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यों को संचालित कर रही हैं. इसका मुख्य कारण यह है कि यह उद्योग ग्राहकों को कई तरह की सेवाएं प्रदान करता है. कुछ सेवाओं में आद्योपांत समाधान शमिल हैं, जिनमें ग्राहक की मीडिया योजना, सर्विसिंग, मीडिया विक्रय, पूर्ववर्ती एवं परवर्ती अभियान विशलेषण, रचनात्मक परिकल्पना, बाजार अनुसंधान, विपणन, जनसंपर्क सेवाएं और ब्रैंडिंग जैसे कार्य शामिल हैं. विज्ञापन उद्योग में विज्ञापन एजेंसियां, विज्ञापनदाता, मीडिया, अनुषंगी सेवाएं और स्वतंत्र (फ्रीलांसर्स) रूप से काम करने वाले व्यक्ति शामिल हैं. इनमें से प्रत्येक घटक संभावित उम्मीदवारों को आकर्षक रोज़गार के विकल्प उपलब्ध कराता है.

1. **विज्ञापनदाता**

सभी प्रमुख विज्ञापनदाताओं जैसे विनिर्माताओं, वितरकों, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों या सरकारी विभागों में एक विज्ञापन अनुभाग होता है. विज्ञापन प्रबंधक मुख्य कार्यकारी अधिकारी या निदेशक विपणन अथवा प्रभागीय प्रमुख को रिपोर्ट करता है. वह एजेंसियों और मीडिया के साथ बातचीत करने के लिए जिम्मेदार होता है. वह अभियान आयोजना और मीडिया आयोजना में हिस्सा लेता है. वह विज्ञापन एजेंसी के लेखा अधिकारी को आवश्यक जानकारी प्रदान करता है. वह तैयार क्रय सामग्री की जानकारी प्राप्त करता है और बिक्री प्रोत्साहन और क्रय-विक्रय में सहायक होता है. इसके अतिरिक्त वह विज्ञापन बजट के बारे में निर्णय करता है. बीबीए, बी कॉम अथवा एमबीए या एम.कॉम डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी जिन्होंने विपणन और

विज्ञापन में विशेषज्ञता के साथ उपाधि प्राप्त की हो, विज्ञापनदाता के रूप में रोज़गार प्राप्त कर सकते हैं.

2. **विज्ञापन एजेंसियां**

विज्ञापन एजेंसी ग्राहकों द्वारा नियुक्त विशेषज्ञों की एक टीम होती है जो मीडिया में विज्ञापन अभियान की योजना बनाती है, विज्ञापनों का निर्माण करती है और उन्हें प्रचारित-प्रसारित कराती है. विज्ञापन एजेंसी में उपलब्ध रोज़गार के कुछ अवसर इस प्रकार हैं:

क) **विज्ञापन लेखा कार्यकारी:** किसी विज्ञापन एजेंसी में यह पद रोज़गार का एक महत्वपूर्ण विकल्प है. लेखा कार्यकारी ग्राहक और विज्ञापन एजेंसी के बीच एक कड़ी होता/होती है. ग्राहक के विपणन या बिक्री या विज्ञापन विभाग द्वारा उसे जानकारी दी जाती है. वह उस जानकारी को विज्ञापन एजेंसी के लोगों को देता/देती है. विश्वव्यापी स्तर पर प्रचालित भारतीय विज्ञापन एजेंसियां लेखा अधिकारियों की भर्ती करती हैं.

विज्ञापन क्षेत्र में...

(पृष्ठ 1 का शेष)

ख) **कॉपीराइटर :** कॉपीराइटर अथवा क्रिएटिव्स यानी लेखक और रचनाशील व्यक्ति ऐसे शब्द शिल्पी होते हैं, जो विज्ञापन की शब्दावली निर्धारित करते हैं. वे विज्ञापनों के लिए लिखित सामग्री अथवा 'कापी' तैयार करते हैं. इसमें स्लोगन और मुद्रित विज्ञापनों एवं पर्चों से लेकर रेडियो जिंगलों और टीवी कमर्शियल्स के लिए स्क्रिप्ट (आलेख) तक कुछ भी शामिल हो सकता है. यदि आप रचनाशील, कल्पनाशील हैं और उत्कृष्ट लेखन कौशल रखते हैं, तो कॉपीराइटर का व्यवसाय आपके लिए सबसे उत्तम हो सकता है. इस प्रकार लिखित अभिव्यक्ति कौशल का इस्तेमाल किसी कॉपीराइटर द्वारा अपना संदेश भेजने और लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए किया जाता है. एक बेहतर व्यापारिक समझ और विज्ञापन उद्योग की बेहतर समझ कॉपीराइटर के लिए सफल विज्ञापन अभियान लिखने में मददगार हो सकती है.

ग) **विजुअलाइजर या परिकल्पक**

ये ऐसे कलाकार होते हैं जो कागज पर लिख कर देते हैं कि कॉपीराइटर को किन मुद्दों पर विचार करना है. वे वास्तव में विज्ञापन का डिजाइन तैयार करते हैं. ललित कला/वाणिज्यिक कला, ग्राफिक्स, एनिमेशन में अच्छी अभिरुचि रखने वाले अनेक विद्यार्थी इस व्यवसाय को अपना सकते हैं.

घ) **रचनाशील निदेशक:-** वह कॉपीराइटिंग और डिजाइनिंग कार्यों में समन्वय स्थापित करता है. वह एक वरिष्ठ व्यवसायी होता है, जो किसी मौजूदा विज्ञापन एजेंसी की व्यवस्था में इस बौद्धिक कार्य को अंजाम देने के लिए उपयुक्त समझा जाता है.

ङ) **उत्पादन विभाग:-** प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी, फोटोग्राफी, टोपोग्राफी जैसी विविध प्रतिभाएं रखने वाले व्यक्ति इस विभाग में रोज़गार प्राप्त कर सकते हैं.

च) **मीडिया प्लानर या प्रचार माध्यम आयोजक:-** वह प्रचार माध्यमों के बीच विज्ञापन बजट आवंटित करता है. वह उचित मीडिया का चयन करता है. वह विज्ञापन की आवृत्ति, आकार और स्थिति के बारे में निर्णय करता है. वह इसके प्रकाशन की तारीख भी तय करता है. विज्ञापन के प्रकाशित होने के बाद वह उसकी टियर-ऑफ प्रतियां प्राप्त करता है. उसके कार्य को मीडिया अनुसंधान द्वारा निर्देशित किया जाता है, जो वह स्वयं करता है अथवा किसी बाहरी एजेंसी द्वारा अनुसंधान कराता है.

छ) **बाजार अनुसंधान:-** रचनात्मक प्रक्रिया के लिए जानकारी के रूप में अनुसंधान डेटा अत्यंत उपयोगी होते हैं.

3. **मीडिया**

संभावित उम्मीदवारों के लिए मीडिया के स्पेस सेलिंग/विपणन विभागों में रोज़गार के अनेक अवसर और विकल्प उपलब्ध हैं.

4. **अनुषंगी सेवाएं**

इन सेवाओं की आवश्यकता विज्ञापन बनाने/उसकी रचना करने के लिए पड़ती है. स्टूडियो सेवा, फोटोग्राफी सेवा, प्रिंटिंग सेवा, उपहार वस्तु निर्माता आदि अनेक तरह की सेवाएं इस श्रेणी के अंतर्गत आती हैं.

5. **फ्रीलांसर्स**

ये ऐसे व्यवसायी होते हैं, जो स्वतंत्र रूप से काम करते हैं और उनका एक सफल ट्रैक रिकॉर्ड होता है. इनमें कॉपीराइटर्स, जिंगल गायक, रेडियो उद्घोषक, कलाकार, परिकल्पक, तकनीकी लेखक शामिल हैं.

6. **पाठ्यक्रम और संस्थान , जहां आप अध्ययन कर सकते हैं :-**

1. बीए (विज्ञापन, बिक्री प्रोत्साहन और बिक्री प्रबंधन- एएसपीएसएल) दिल्ली विश्वविद्यालय एएसपीएसएम में बीए प्रोग्राम पाठ्यक्रम संचालित करता है. पाठ्यक्रम में विद्यार्थी विपणन, विज्ञापन, जनसंपर्क और बिक्री प्रबंधन के क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं. इस पाठ्यक्रम का संचालन करने वाले कुछ कॉलेजों में कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय (नई दिल्ली), दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कामर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय (नई दिल्ली), लक्ष्मी बाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, विवेकानंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय शामिल हैं.
2. इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन - आईआईएमसी (भारतीय जन संचार संस्थान), अरुणा आसफ अली मार्ग, जेएनयू, न्यू कैम्पस, नई दिल्ली - 110067, यूआरएलः **www.iimc.nic.in** भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी), नई दिल्ली जनसंचार के क्षेत्र में प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के भारत के प्रमुख संस्थानों में से एक है. इसकी स्थापना भारत सरकार ने 1965 में यूनेस्को और फोर्ड फाउंडेशन से जन संचार के अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों की एक टीम की सिफारिश के आधार पर की थी. यह संस्थान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है. विज्ञापन और जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा करने वाले विद्यार्थियों के लिए एक प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है. किसी भी विषय में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक व्यक्ति ऊपर वर्णित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है.
3. मुद्रा इंस्टीट्यूट ऑफ कम्युनिकेशन्स (एमआईसीए), शेला, अहमदाबाद - 380 007, गुजरात यूआरएल **www.mica.ac.in** एमआईसीए एक स्वायत्त, लाभ न कमाने वाला संस्थान है, जिसके पाठ्यक्रम अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), भारतीय विश्वविद्यालय संघ से अनुमोदित और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार से मान्यता प्राप्त हैं. यह संस्थान संचार-प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएम-सी) संचालित करता है, जिसने 1994 में अपनी स्थापना के समय से ही एक उचित स्थान हासिल कर लिया है. यह पाठ्यक्रम अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) से मान्यताप्राप्त है, जो इसे एमबीए डिग्री के समकक्ष मानते हैं. यह संस्थान विज्ञापन प्रबंधन एवं जन संचार में ऑनलाइन स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (पीजीसीपीएएमपीआर) भी संचालित करता है. मुद्रा इंस्टिट्यूट आफ कम्युनिकेशन्स, अहमदाबाद सीएटी (आईआईएम) के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रवेश देता है. इसके लिए समूह वार्तालाप और साक्षात्कार को आधार बनाया जाता है.
4. नरसी मोंजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़, वी एल मेहता रोड, विले पार्ले (पश्चिम) मुम्बई - 400 056 महाराष्ट्र यूआरएलः **www.nmims.edu** यह संस्थान पीजीडीएम कोर्स (विज्ञापन में विशेषज्ञता के साथ) संचालित करता है. यह प्रवेश परीक्षा के जरिए भी विद्यार्थियों का चयन करता है.
5. जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ कम्युनिकेशन, सेंट जेवियर कॉलेज, 5, महापालिका मार्ग, मुम्बई-400001, महाराष्ट्र यूआरएल **www.xaviercomm.org courses** जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (स्नातकों के लिए).
6. सिम्बियोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन, पुणे यूआरएलः **www.simc.edu** दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (जनसंचार/संचार प्रबंधन). इनके अतिरिक्त भारतीय विद्या भवन, देशभर में फैले वाईएमसीए और वाईडब्ल्यूसीए केंद्र भी जनसंपर्क और विज्ञापन में पाठ्यक्रम संचालित करते हैं. **यह सूची केवल संकेतात्मक है.**

(लेखिका कॉमर्स विभाग, कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में एसोशिएट प्रोफेसर, हैं.
ईमेल : sheetal_kprhotmail.com)

रोज़गार समाचार

पुष्पेंदर कौर (महाप्रबंधक एवं मुख्य संपादक)
डॉ. ममता रानी (संपादक)
हसन जिया (वरिष्ठ संपादक)
अयिनीडि वेंकटप्पय्या (संपादक विज्ञापन)
गोपाजीत दास (संपादक)
वी. के. मीणा (संयुक्त निदेशक) (उत्पादन)
संदीप निगम (उत्पादन अधिकारी)
पी.के. मंडल (वरिष्ठ कलाकार)
के.पी. मणिलाल (लेखा अधिकारी)
जगदीश चंद्र जायसवाल (व्यापार कार्यपालक) (वितरण)

ई-मेल-महाप्रबंधक एवं मुख्य संपादक
director.employmentnews@gmail.com
विज्ञापन : enewsadvt@yahoo.com

संपादकीय :	: 26163055
विज्ञापन	: 26104284
टेलीफैक्स	: 26193012
वितरण	: 26107405
टैलीफैक्स	: 26175516
प्रोडक्शन	: 26177529
लेखा (विज्ञापन)	: 26193179
लेखा (वितरण)	: 26182079